कहानी

सोशल मीडिया और बेरोजगार

कहानी एक बेरोजगार युवा तुषार की है, जो सोशल मीडिया पर अपने दोस्तों और परिचितों की सफलता और खुशियों को देखकर अपने आप को नाकाम और असफल महसूस करता है।

तुषार एक होनहार युवा था ऐसा उसने स्कूल के दिनों में खुद को बताया था। लेकिन अब जब वह बेरोजगार है, तो सोशल मीडिया उसे हर दिन नए-नए तरीके से यह एहसास कराता है कि तुम नाकाम हो, और दुनिया तुम्हारे बिना भी बहुत खुश है।

कहानी की शुरुआत फेसबुक की पहली टक्कर

तुषार ने सोचा, आज थोड़ा पढ़ाई के बाद रिलैक्स करता हूं। फेसबुक पर क्या चल रहा है, देखते हैं। जैसे ही उसने ऐप खोला, पहला पोस्ट था

मेरे नए ऑफिस का पहला दिन। सपनों को पूरा करने की ओर पहला कदम।

तुषार की उंगलियां स्क्रॉल करती रहीं, लेकिन दिल कह रहा था, भाई, ये सब ताने मारने क्यों आए हैं?पोस्ट के नीचे कमेंट्स पढ़े

वाह, भाई! बधाई हो!

चाय पार्टी कब दे रहे हो?

तू तो बड़ा आदमी बन गया!

तुषार मन ही मन सोचता है, मुझे भी एक दिन यही सब लिखना है, लेकिन अभी तो मेरे पास चाय भी नहीं हैं।

Scanned with OKEN Scanner

इंस्टाग्राम खुशियों का रंगीन तमाचा

थोड़ी देर बाद तुषार ने इंस्टाग्राम खोला। वहां उसका दोस्त रोहित एक समुद्र किनारे खड़ा था। कैप्शन पढ़ा

काम में ब्रेक लिया और गोवा चला आया। जिंदगी जियो!

तुषार को यह लाइन पढ़ते ही लगा जैसे कोई उसे उठा कर समुद्र में फेंक दे। वह सोचता है, गोवा? मैं तो गांव के तालाब तक नहीं जा पाता। वहां भी बेरोजगारी वाले मगरमच्छ बैठे मिलेंगे!

फिर उसने तस्वीर पर खुद को शांत करने के लिए लिखा

वाह, भाई! मजे कर रहे हो।और खुद से कहा, यार, मैं ये 'वाह भाई' वाली नौकरी ही क्यों नहीं ढूंढ लेता?

अब तुषार ने एक और दूसरा साइट खोला, जहां सभी लोग खुद को प्रोफेशनल दिखाने में लगे रहते हैं। एक पोस्ट थी

दो साल पहले बेरोजगार था, लेकिन हार नहीं मानी। अब गूगल में सीनियर इंजीनियर हूं।

तुषार ने माथा पकड़ा। सोचने लगा, अच्छा, भाई, एक ही बेरोजगार था क्या? मेरे जैसे तो पूरी फौज घूम रही है।

उसने कमेंट्स देखे:

प्रेरणादायक कहानी, सर!

आपकी मेहनत को सलाम!

तुषार ने सोचा भाई, एक मेरी मेहनत को भी कोई सलाम कर दे!"

Scanned with OKEN Scanner

व्हाट्सएप दोस्ती का बेरोजगार कटाक्ष

तुषार ने व्हाट्सएप खोला, जहां दोस्तों का ग्रुप था। ग्रुप का नाम था बचपन के दोस्त।उसमें किसी ने मैसेज किया

भाई, अगले महीने मेरी शादी है। सबको आना है।

किसी ने जवाब दिया वाह! भाई, प्रमोशन के बाद अब शादी। लाइफ सेट है!

तुषार ने एक हंसी वाला इमोजी भेजा और सोचा, मेरी लाइफ सेट क्यों नहीं होती? क्या बेरोजगारों की शादी में कोई इंटरेस्ट नहीं लेता?

तुषार का मनोविज्ञान सोशल मीडिया का दर्द

सोशल मीडिया बंद करके तुषार ने गहरी सांस ली। मन ही मन कहा, अच्छा है, ये दोस्त लोग खुश हैं। लेकिन ये 'खुशी' ऐसे दिखाते हैं, जैसे बेरोजगारों के लिए यह एक अलग ग्रह का अनुभव है!

तुषार ने खुद को दिलासा दिया:

अब बस कर, सोशल मीडिया। तू और मुझे निचोड़ने की कोशिश मत कर। नौकरी तो मिलेगी, तब मैं भी गोवा की फोटो डालूंगा।

अंत में तुषार का फैसला

तुषार ने तय किया कि वह कुछ दिनों तक सोशल मीडिया से दूर रहेगा। वह सोचता है, सोशल मीडिया पर सबकुछ सही नहीं होता। दोस्त अपने अच्छे पलों को शेयर करते हैं, दर्द कभी नहीं।

Scanned with OKEN Scanner

और जाते-जाते उसने फेसबुक पर पोस्ट किया

लाइफ में बेरोजगारी का दौर चल रहा है। जब कुछ मिलेगा, तो यहां सबको बताऊंगा। तब तक, दुआओं में याद रखना।

त्रिभुवन लाल साहू

Scanned with OKEN Scanner